|  |  |
| --- | --- |
| T.No |  |
|  | Backend এর ভিউ ফাইলগুলোর জন্য backend ফোল্ডার থাকবে যার মধ্যে layouts, pages, partials নামে ফোল্ডার থাকবে। pages ফোল্ডারের মধ্যে আবার indivitual পেজগুলোর জন্য পৃথক পৃথক ফোল্ডার থাকবে (যেমন :categories, bands, products, carts, districts, divisions etc) এবং Frontend এর ভিউ ফাইলগুলোর জন্য frontend ফোল্ডার থাকবে যার মধ্যে layouts, pages, partials নামে ফোল্ডার থাকবে। pages ফোল্ডারের মধ্যে আবার indivitual পেজগুলোর জন্য পৃথক পৃথক ফোল্ডার থাকবে (যেমন :categories, bands, products, carts, districts, divisions etc)  মডেলগুলোকে রাখার জন্য app ফোল্ডার এর মধ্যে models নামে আরেকটি ফোল্ডার তৈরী করে মডেলগুলোকে রাখতে হবে।  কন্ট্রোলারগুলো রাখার জন্য app/http/controllers এর মধ্যে Backend এবং Frontend নামে ২টি ফোল্ডার থাকবে।  খুব দ্রুত কাজ করার জন্য ফ্রন্টইন্ড এবং ব্যাকইন্ড এর ভিউ ফাইলগুলোর এইচটিএমএল এর কাজগুলো এবং রাউট এর কাজগুলো, মডেল তৈরী, কন্ট্রোলার তৈরীর কাজগুলো আগে শেষ করে পরে লেরাভেল পিইচপির কাজ শুরু করবো |
| 09 |  |
| 10 |  |
| 11 |  |
| 12 |  |
| 13 |  |
| 14 |  |
| 15 |  |
| 16 |  |
| 17 |  |
| 18 |  |
| 19 |  |
| 20 |  |
| 21 |  |
| 22 |  |
| 23 |  |
| 24 |  |
| 25 |  |
| 26 |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |